आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 319 | उज्जैन, गुरुवार 09 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुंबई में 9 अक्टूबर को इंटरएक्टिव सेशन में निवेशकों से करेंगे संवाद

रिन्यूएबल एनर्जी उपकरण निर्माण सहित विभिन्न सेक्टर्स में निवेश पर होगी चर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी निवेश गंतव्य बनाने के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सतत् प्रयास अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मध्यप्रदेश शासन ने निवेश-अनुकूल वातावरण को सुदृढ़ करते हुए पारदर्शिता, नीतिगत स्थिरता और उद्योगों के लिए तीव्र गति से अनुमतियाँ प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 9 अक्टूबर को मुंबई में इंटरएक्टिव सेशन में देश-विदेश के उद्योगपतियों से संवाद करेंगे।

इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग एंड वाइट गुड्स इन मध्यप्रदेश 9 अक्टूबर को होटल ट्राइडेंट, नरीमन पॉइंट मुंबई में आयोजित किया जा रहा है। इस सत्र का उद्देश्य निवेशकों को मध्यप्रदेश में उभर रहे औद्योगिक अवसरों से अवगत कराना है, विशेष रूप से मोहासा-बाबई (नर्मदापुरम) में विकसित किए जा रहे पॉवर एवं रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन में निवेश को प्रोत्साहन देना है। इस औद्योगिक क्षेत्र में भूमि आवंटन के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 12 अक्टूबर निर्धारित की गई है।

सेशन में देश के प्रमुख उद्योग समूहों के साथ सिंगापुर, मैक्सिको, कनाडा और इटली सहित विभिन्न देशों के कॉन्सुल जनरल और व्यापारिक प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। हिंदल्को इंडस्ट्रीज़, वेलस्पन ग्रुप, एलएंडटी, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, गॉदरेज इंडस्ट्रीज़, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, बजाज ग्रुप, आईपीसीए लैब और रेमंड ग्रुप जैसी अग्रणी कंपनियों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीतियों, निवेश-संभावनाओं और प्रमुख परियोजनाओं जैसे पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन, पीएम मित्र पार्क, फुटवियर पार्क और उद्योग आधारित क्लस्टर्स पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

दिल्ली-कोलकाता हाईवे पर लगा 65km लंबा भीषण जाम, 24 घंटे में सिर्फ 5 किलोमीटर आगे बढ़ रहे वाहन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के रोहतास जिले में पिछले हफ्ते हुई मूसलाधार बारिश ने दिल्ली-कोलकाता नेशनल हाईवे-19 को पूरी तरह से रोक कर रख दिया है। सैकड़ों गाड़ियां पिछले चार दिनों से जाम में फंसी हैं। ट्रक, बसें, कारें और मोटरसाइकिल सब एक लंबी लाइन में खड़ी हैं।

रोहतास से औरंगाबाद तक करीब 65 किलोमीटर लंबा जाम लग गया है। इस दौरान लोगों को कुछ किलोमीटर चलने में भी कई घंटे लग रहे हैं। पिछले शुक्रवार की तेज बारिश के बाद हाईवे पर जगह-जगह बने डायवर्जन और सर्विस लेन पानी में डूब गए हैं।

24 घंटे में सिर्फ 5 किलोमीटर का सफर- सिक्स लेन हाई का निर्माण कर रही कंपनी ने कई अस्थायी रास्ते बनाए थे, लेकिन अब वे कीचड़ और गड्ढों में बदल गए हैं। हर तरफ गड्ढे और जलजमाव होने से वाहन फिसल रहे हैं और ट्रैफिक जाम हर घंटे बढ़ता जा रहा है। कई जगहों पर तो वाहन 24 घंटे में केवल 5 किलोमीटर का सफर तय कर पा रहे हैं।

जाम में फंसे ट्रक ड्राइवरों की हालत खराब है। ट्रक ड्राइवर प्रवीण सिंह ने कहा, 30 घंटे में सिर्फ 7 किलोमीटर चले हैं। टोल टैक्स और रोड टैक्स के बाद भी कोई राहत नहीं है।

जुबीन गर्ग मौत मामले में नया मोड़, सिंगर के चचेरे भाई DSP संदीपन गिरफ्तार; Yacht Party से क्या है कनेक्शन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर सिंगर जुबीन गर्ग की मौत के मामले में जांच चल रही है। इस बीच खबर है कि उनके चचेरे भाई डीएसपी संदीपन को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, सिंगापुर यॉट पार्टी में जुबीन के साथ वह भी शामिल थे।

दरअसल, सिंगर जुबीन गर्ग के चचेरे भाई संदीपन पुलिस सेवा में कार्यरत हैं। इस पूरे मामले में अभी तक कुल पांच गिरफ्तारी हुई है। जुबीन गर्ग 20 सितंबर से सिंगापुर में होने वाले तीन दिवसीय नॉर्थ-ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे।

डूबने से हुई थी जुबीन की मौत- 52 साल के गायक जुबीन गर्ग की मौत पिछले महीने सिंगापुर के एक याट में पार्टी के दौरान समुद्र में तैरने गए थे, जहां उन्हें पानी में औंधे मुंह तैरते हुए मृत पाए गए। जुबीन गर्ग की मौत के बाद इस कार्यक्रम को रद कर दिया गया था।

जुबीन के साथ गए थे चचेरे भाई- एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, सिंगर के साथ ही उनके चचेरे भाई संदीपन सिंगापुर गए थे। वह यॉट पार्टी में भी मौजूद थे। उनकी गिरफ्तारी के बाद एसआईटी संदीपन को अदालत में पेश करेगी।

घटना के दौरान मौके पर मौजूद रहना ही अपराध में शामिल होने का सुबूत नहीं, SC ने अदालतों को दिए बड़े निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी घटना के दौरान मौके पर मौजूद रहना ही किसी व्यक्ति के गैरकानूनी गतिविधि में शामिल होने का सुबूत नहीं माना जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों के लिए ये मानक तय किया कि ऐसे मामलों में किसी को दोषी ठहराने में अदालतों को बहुत सावधान रहने की जरूरत है।

न्यायमूर्ति जेपी पार्डीवाला और आर महादेवन ने 1988 में बिहार के एक गांव में हत्या और अवैध गतिविधि के लिए जमा होने के दोष में उम्रकैद भुगत रहे 12 लोगों को बरी करते हुए ये टिप्पणी की। पीठ ने आईपीसी की धारा 149 का विश्लेषण किया, जिसमें कहा गया है कि गैरकानूनी जमावड़े में शामिल हर सदस्य एकसमान उद्देश्य के लिए किए गए अपराध का दोषी है।

पीठ ने कहा कि कानून में कहा गया है कि अभियोजन पक्ष को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष परिस्थितियों के माध्यम से यह साबित करना होगा कि आरोपित व्यक्तियों का एकजुट होना गैरकानूनी उद्देश्य के लिए ही था। शीर्ष अदालत ने कहा कि अदालतों को हर मामले की परिस्थिति के आधार पर एकसमान उद्देश्य का पता लगाना चाहिए।

पीठ ने कहा, महज घटनास्थल पर मौजूदगी से ही कोई व्यक्ति गैरकानूनी जमावड़े का सदस्य नहीं बन जाता, जब तक कि यह साबित न हो जाए कि आरोपी का भी उस जमावड़े में कोई साझा उद्देश्य था। महज एक दर्शक, जिसकी कोई विशेष भूमिका नहीं बताई गई है, आइपीसी की धारा 149 के दायरे में नहीं आएगा।

उत्तर भारत में गुलाबी ठंड की शुरुआत, बारिश और बर्फबारी के कारण गिरा पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगातार जारी वर्षा से तापमान में तेजी से गिरावट आई है। मैदानी और पर्वतीय राज्यों में जारी वर्षा और हिमपात के कारण गर्मी से तो राहत मिली है, लेकिन लोगों की दुश्वारियां भी बढ़ गई है। पंजाब और बिहार में नदियों का जलस्तर बढ़ने से खेत पानी से डूब गए। इससे फसलों को नुकसान हुआ है।

वहीं पंजाब और हरियाणा में जारी वर्षा के कारण मंडियों में रखा धान और गेंहू भी भीग गया। एनसीआर में मंगलवार शाम भारी वर्षा का आरेंज अलर्ट था। शाम को तेज हवाओं के साथ हुई भारी वर्षा ने तापमान को कई डिग्री नीचे ला दिया। शाम 5:30 बजे तक, पालम मौसम केंद्र ने 41.6 मिमी वर्षा दर्ज की। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम है।

पंजाब के कई जिलों में भारी बारिश- पंजाब के कई जिलों में मंगलवार को हुई भारी वर्षा ने किसानों की चिंता को फिर बढ़ा दिया है। तेज हवा के साथ हुई वर्षा से पकी धान की फसल खेतों में बिछ गई है और मंडियों में पहुंचा अधिकांश धान भीग गया है। हिमाचल प्रदेश में हो रही वर्षा के कारण बांधों का जलस्तर फिर से बढ़ गया है, जिससे सतलुज, ब्यास और रावी के किनारे बसे क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। पंजाब में अक्टूबर में वर्षा का 70 वर्षा का रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले चौबीस घंटे के दौरान पंजाब में 8.2 मिलीमीटर वर्षा हुई है। उधर, हरियाणा में पिछले तीन दिन से लगातार वर्षा हो रही है।

राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति बलराज सिंह निलंबित, गड़बड़ियों के लगे आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के जोबनेर स्थित कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डा. बलराज सिंह को राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। कुलगुरु के खिलाफ कई गड़बड़ियों की शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिसमें नियमों का उल्लंघन शामिल है। राज्यपाल ने शिकायतों की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया है। राजभवन के बयान के अनुसार, कुलगुरु ने विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रविधानों का उल्लंघन करते हुए कर्मचारियों को बर्खास्त किया और गलत तरीके से तबादले किए, जिससे पद का दुरुपयोग हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का किया उद्घाटन, व्यापार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

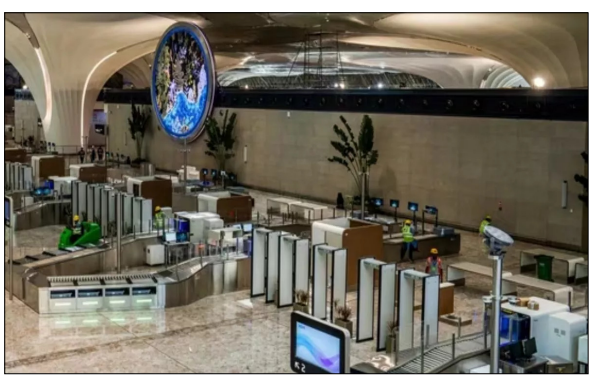

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार, 8 अक्टूबर को नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस एयरपोर्ट से व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण के निर्माण में 19,650 करोड़ रुपये की लागत लगी है। इस हवाई अड्डे से मुंबई, पुणे और कोंकण क्षेत्र में व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। 1,160 हेक्टेयर में फैला यह नया हवाई अड्डा भारत की विमानन क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगा और मुंबई के मौजूदा छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारी यातायात के बोझ को कम करेगा।

पीपीपी मॉडल के तहत किया गया विकसित- यह भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना है, जिसे सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत विकसित किया गया है और यह मुंबई महानगर क्षेत्र का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।

मुंबई मेट्रो लाइन-3 के दूसरे चरण का उद्घाटन- पीएम मोदी ने आचार्य अत्रे चौक से कफ परेड तक 12,200 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित मुंबई मेट्रो लाइन-3 के दूसरे चरण का भी उद्घाटन किया।

उन्होंने 37,270 करोड़ रुपये की पूरी मुंबई मेट्रो लाइन 3 (एक्वा लाइन) राष्ट्र को समर्पित की, जो शहर के शहरी परिवहन परिवर्तन में एक प्रमुख मील का पत्थर है।

पीएम मोदी ने मुंबई वन ऐप किया लॉन्च- प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई वन ऐप भी लॉन्च किया, जो यात्रियों को कई सार्वजनिक परिवहन ऑपरेटरों के लिए एकीकृत मोबाइल टिकटिंग सहित कई लाभ प्रदान करता है। उन्होंने महाराष्ट्र में कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग की अल्पकालिक रोजगार योग्यता कार्यक्रम (स्त्रश्वक्क) पहल का भी उद्घाटन किया।

यह कार्यक्रम 400 सरकारी आईटीआई और 150 सरकारी तकनीकी उच्च विद्यालयों में शुरू किया जा रहा है, जो रोजगार योग्यता बढ़ाने के लिए कौशल विकास को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

गुजरात से गया रूस, यूक्रेन के खिलाफ उठाए हथियार और फिर किया सरेंडर; कौन है साहिल मोहम्मद हुसैन?

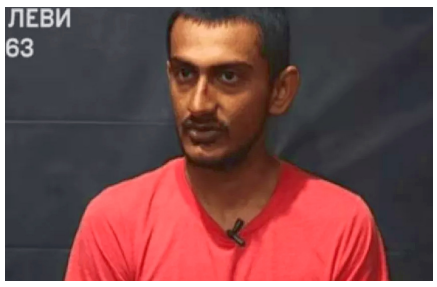

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के युद्ध में कई भारतीय भी रूसी सेना की तरफ से लड़ रहे हैं। इसी कड़ी में यूक्रेनी सेना की 63वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने एक भारतीय को पकड़ने का दावा किया है, जिसका नाम साहिल मोहम्मद हुसैन है।

यूक्रेनी सेना का दावा है कि मोहम्मद हुसैन ने उनके सामने हथियार डाल दिया है। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार, यूक्रेनी सेना के अधिकारियों ने इसपर कोई औपचारिक अपडेट नहीं दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

यूक्रेन की सेना की 63वीं मैकेनाइज्ड ब्रिगेड ने टेलिग्राम पर वीडियो जारी करते हुए इसकी जानकारी दी है। वीडियो में मोहम्मद हुसैन को भी देखा जा सकता है, जो रूसी भाषा में अपनी कहानी सुना रहा है।

भारत से गया रूस और हुई 7 साल की सजा- मोहम्मद हुसैन के अनुसार, वो गुजरात के मोरबी का रहने वाला है और उसकी उम्र 22 साल है। मोहम्मद कुछ साल पहले पढ़ाई के सिलसिले में रूस गया था। रूसी विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान मोहम्मद ड्रग्स तस्करी केस में पकड़ा गया। अदालत में उसका गुनाह साबित हो गया, जिसके बाद रूस की अदालत ने मोहम्मद को 7 साल जेल की सजा सुना दी।

रूसी सेना में हुआ शामिल- इसी बीच रूस और यूक्रेन का युद्ध चल रहा था और रूसी सेना में भर्ती चल रही थी। मोहम्मद सजा से बचना चाहता था। ऐसे में उसे सजा के बदले रूसी सेना में शामिल होने का मौका मिला और उसने तुरंत हां बोल दिया। रूस के स्पेशल मिलिट्री ऑपरेशन में शामिल होने के लिए मोहम्मद ने रूसी सेना के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया और उसे जेल से रिहा कर दिया गया।

हुसैन ने किया सरेंडर- मोहम्मद के अनुसार, कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय उसे बताया गया था कि युद्ध लड़ने के बदले उसे 1 लाख रुबल मिलेंगे, लेकिन कुछ नहीं दिया गया। 16 दिन की बेसिक ट्रेनिंग के बाद 1 अक्टूबर को मोहम्मद को युद्ध क्षेत्र में भेज दिया गया।

सुसुमु, रिचर्ड और एम याघी को मिला रसायन विज्ञान में नोबेल प्राइज, इस खोज के लिए हुए सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोबेल समिति ने बुधवार (8 अक्टूबर 2025) को रसायन विज्ञान में नोबल पुरस्कार की घोषणा की। साल 2025 के लिए रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर यागी को रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इन तीनों वैज्ञानिकों को धातु-कार्बनिक ढांचे के विकास (डेवलपमेंट ऑफ मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क) के लिए केमिस्ट्री का नोबेल पुरस्कार देने का फैसला किया गया। इस साल ये पुरस्कार जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिकों को सम्मिलित रूप से दिया गया है।

मेडिसिन और फिजिक्स में किसे मिला नोबेल- इससे पहले सोमवार 6 अक्टूबर को नोबेल पुरस्कारों का एलान शुरू हुआ था। सोमवार को मेडिसिन का नोबेल वैज्ञानिक मैरी ई। ब्रुनको, फ्रेड रामस्डेल और शिमोन सकागुची को दिया गया। वहीं मंगलवार को फिजिक्स का नोबेल तीन अमेरिकी वैज्ञानिकों जॉन क्लार्क, मिशेल एच डेवोरेट, जॉन एम मार्टिनिस के नाम रहा। को मिला। इन तीनों को ये पुरस्कार विद्युत परिपथ में मैक्रोस्कोपिक क्वांटम, मैकेनिकल टनलिंग और ऊर्जा क्वांटाइजेशन की खोज के लिए दिया गया है।इसके बाद साहित्य, अर्थशास्त्र और शांति के नोबेल की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी।

मुनीर की चापलूसी से खुश हुए ट्रंप! पाकिस्तान को दिया AIM-120 मिसाइल का तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान पिछले कुछ महीनों से लगातार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड की तारीफ करता नजर आ रहा है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने कई बार अमेरिका की यात्रा भी की है। अब मुनीर की चापलूसी का तोहफा पाक को मिलने की संभावना है।

दरअसल, पाकिस्तान को अमेरिका से AIM-120 एडवांस मीडियम रेंज की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें कि इन दिनों पाकिस्तान और अमेरिका के बीच नजदीकियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

पाकिस्तान पर मेहरबान हो रहा अमेरिका- इन दिनों पाकिस्तान और अमेरिका के रिश्ते लगातार सुधर रहे हैं। मई के महीने में भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिनों का सैन्य टकराव हुआ। भारत ने पाकिस्तान को बुरी तरीके से परास्त कर दिया, बाद में पाकिस्तानी डीजीएमओ ने भारत से सैन्य कार्रवाई रोकने की अपील की। भारत और पाकिस्तान के बीच इस सैन्य टकराव के बाद पाक की अमेरिका के साथ नजदीकियां बढ़ीं हैं। कई मौके पर पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति की तारीफ की है।

अमेरिका ने पाकिस्तान को AIM-120 AMRAAM मिसाइल देने का प्लान बनाया है।

पाकिस्तानी सेना पर विद्रोहियों ने किया हमला, 2 अधिकारी समेत 11 सैनिकों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना पर कुछ विद्रोहियों ने हमला कर दिया। इस हमले में 11 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत हो गई। मृतकों में अर्धसैनिक बल के 9 सैनिक और 2 अधिकारियों का नाम शामिल है।

यह हमला पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा के पास हुआ। अफगान बॉर्डर पर कुछ विद्रोहियों ने पाकिस्तान के अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाया। हमला इतना भयानक था कि 11 सैनिकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

18 विद्रोही मारे गए- अर्धसैनिक बलों पर हुए हमले के बाद पाकिस्तानी सेना ने विद्रोही समूह पर बड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान 18 विद्रोहियों को मौत के घाट उतार दिया गया है।

बगराम एयरबेस वाले दावे पर अकेले पड़े ट्रंप! भारत ने दिया तालिबान का साथ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की नजर अफगानिस्तान के बगराम एयरबेस पर है। कुछ दिन पहले ट्रंप ने तालीबानी हुकूमत को आदेश दिया था कि बगराम एयरबेस अमेरिका को सौंपने दिया जाए। रूस, चीन और पाकिस्तान समेत 7 अन्य देशों ने ट्रंप के इस फैसले का विरोध जताया था। वहीं, अब भारत का नाम भी इस लिस्ट में जुड़ चुका है।

हाल ही में मॉस्को फॉर्मेट बातचीत के दौरान कई देशों ने अफगानिस्तान में विकास और समृद्धि लाने पर विचार किया।इस दौरान सभी देशों का मानना था कि अफगानिस्तान समेत पड़ोसी देशों में सैन्य ढांचा बनाने की कोशिशों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इससे पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता पर असर पड़ेगा।

सभी देशों ने जारी किया बयान- तालीबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने भी इस सम्मेलन में हिस्सा लिया था। आयोजन के दौरान सभी देशों ने बयान जारी करते हुए कहा, अफगानिस्तान में आतंकवाद को खत्म करने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है। इससे अफगान की धरती का गलत इस्तेमाल नहीं होगा और पड़ोसी देशों की सुरक्षा पर भी खतरा नहीं रहेगा।

भारत अफगानिस्तान में शांति का पक्षधर- इस सम्मलेन में भारत, रूस, चीन के अलावा ईरान, पाकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने भी हिस्सा लिया था। रूस में स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, भारत के राजदूत विनय कुमार के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने इस सम्मेलन में शिरकत की थी।

IMF से पैसा पाते ही अमेरिका से हथियार खरीदने दौड़े शरीफ, ऐसे खुली पाकिस्तान की पोल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार (7 अक्टूबर) को अमेरिकी सरकार ने पाकिस्तान को 2.5 अरब डॉलर मूल्य के एयर-टू-एयर मिसाइल सिस्टम (एआइएम-120 एएमआरएएएम) खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

भारी आर्थिक बदहाली से गुजर रहा पाकिस्तान इस मिसाइल सिस्टम को खरीदने का फैसला अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) से मई, 2025 में मिली एक अरब डॉलर की मदद के कुछ ही महीने बाद किया है। इसके साथ ही भारत की तरफ से पूर्व में जताई गई इस आशंका को बल मिला है कि जब भी पाकिस्तान को आइएमएफ से बेल-आउट पैकेज दी जाती तो वह इसका इस्तेमाल हथियार खरीदने में करता है। वैसे अगर आइएमएफ की शर्तों की बात करें तो पाकिस्तान सीधे तौर पर उससे मिली आर्थिक मदद से रक्षा उपकरण नहीं खरीद सकता लेकिन पुराने रिकार्ड कुछ और ही संकेत देते हैं। आइएमएस से मिले बेल आउट पैकेज के तहत निर्धारित राशि पाकिस्तान के सेंट्रल बैंक को हस्तांतरित की जाती है। आईएमएफ स्पष्ट रूप से कहता है कि इसे उसकी तरफ से जिन उद्देश्यों के लिए कर्ज दिया गया है, उसके अलावा और कहीं इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

नई शर्तों के साथ पाकिस्तान को IMF से मिला पैसा- मई में जो किस्त आईएमएफ ने दी है उसके लिए 11 नई शर्तें लगाई गई हैं। हालांकि इस फंड के अप्रत्यक्ष उपयोग की आशंका हमेशा रहती है और भारत की तरफ से इस बारे में पूर्व में चिंता भी जताई गई है। पूर्व के रिकार्ड बताते हैं कि जब भी पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से बेलआउट पैकेज मिलता है तो उसका रक्षा बजट बढ़ जाता है।

अमेरिका में भी अब दीवाली के दिन रहेगी छुट्टी, ऐसा करने वाला पहला राज्य बना कैलिफोर्निया; नया कानून पारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में दीवाली के त्योहार का खास महत्व है। दीवाली के त्योहार को लेकर कई दिन पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी जाती हैं। अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई देशों में दीवाली का त्योहार मनाया जाने लगा है।

इसी कड़ी में अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में दीवाली के त्योहार पर सार्वजनिक अवकाश देने का फैसला किया गया है। इस संबंध में राज्य के गवर्नर गेविन न्यूसम ने 6 अक्टूबर को एक नए विधेयक पर हस्ताक्षर किया, जिसके बाद राज्य में दीवाली के दिन आधिकारिक अवकाश के रूप में मान्यता दी जाएगी।

अब कैलिफोर्निया में दीवाली के दिन बंद रहें विद्यालय- कैलिफोर्निया में लागू किया गया ये कानून सरकारी स्कूलों और सामुदायिक कॉलेजों को दीवाली पर बंद रखने की अनुमति देता है। इस दौरान कर्मचारियों को सवेतन अवकाश मिलेगा।

इस विधेयक को विधानसभा सदस्य दर्शन पटेल और ऐस कालरा ने सह-प्रायोजिक किया था और उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन जैसे वकालत समूहों ने भी इसका समर्थन किया था।क्र268 के अंतर्गत विद्यालय और कॉलेज दीवाली के दिन बंद रखने का विकल्प चुन सकते हैं। वहीं, राज्य के कर्मचारी भी अवकाश लेकर दीवाली का त्योहार मना सकते हैं।

गौरतलब है कि असेंबली ज्यूडिशियरी कमेटी के अध्यक्ष ऐश कालरा ने सोशल मीडिया पर न्यूजॉम की ओर से दीवाली बिल और उनके द्वारा लिखे गए कई अन्य बिलों को मंजूरी मिलने का जश्न मनाया।

आंध्र प्रदेश की पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग, 6 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के कोनसीमा जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां रायवर के एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से छह लोगों की मौत हो गई है। इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों के घायल होने की खबर है। पुलिस को संदेह है कि दुर्घटना पटाखा निर्माण इकाई में लापरवाही के कारण हुई होगी।

डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा जिले के पुलिस अधीक्षक राहुल मीणा ने बताया कि पटाखा निर्माण इकाई एक लाइसेंस प्राप्त इकाई थी। उन्होंने पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से छह लोगों के मौत की पुष्टि की है। मीणा ने पीटीआई-भाषा को बताया, हाँ, छह शव मिले हैं। हम शवों के विवरण की पुष्टि कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह एक लाइसेंस प्राप्त इकाई ही थी।

मौके पर रेस्क्यू टीम- इस घटना में दो लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। हताहतों की संख्या बढ़ने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही फायरब्रिगेड और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई हैं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी कोशिश में लगे हैं कि आग दोबरा ना भड़के और नजदीक के घरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

अभी तक आग लगने के असली कारणों का पता नहीं चल सका है। अधिकारी पूरे मामले की जांच कर मृतकों व घायलों की सही संख्या और आग लगने के कारणों को पता लगा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिए ये निर्देश- इस घटना पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने दुख जताते हुए अधिकारियों को घायलों के लिए उचित चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिए हैं।

उन्होंने घटना की जांच का आदेश देते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों का सही से उपचार हो।

गाड़ी में बिताई पूरी रात ताकि..., पत्नी ज्योति के आरोपों पर खुलकर बोले पवन सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भोजपुरी एक्टर पवन सिंह बिहार चुनाव लड़ने की तैयारी में लगे हुए हैं। इस बीच उनकी शादीशुदा जिंदगी पर चल रहा विवाद गरमाता जा रहा है। पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति अपने पति पर लगातार गंभीर आरोप लगा रही हैं। इस बीच पवन सिंह ने कहा कि वे उन्हें धमकियां दे रही हैं और खुद चुनाव लड़कर विधायक बनना चाह रही हैं। इसलिए ये जो अपनापन ज्योति जी दिखा रही हैं। वो आज ही क्यों दिखा रही हैं। एक दो-महीने पहले क्यों नहीं दिखा रही थी।

पत्नी के दावों को लेकर पावर स्टार पवन सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके अपनी चुप्पी तोड़ी है। प्रेस कॉनफ्रेंस के दौरान पवन सिंह ने कहा मैं भोजपुरिया समाज को प्रणाम करता हूं। ज्योति सिंह सोशल मीडिया पर पोस्ट करती है कि मैं मिलने आ रही हूं। रात में खाना खाते समय धनंजय सिंह ने कहा ज्योति के भाई से बात हुई है कि वो आ रहे हैं। मैं नींद में था तभी भाई ने बताया कि नीचे ज्योति आई है। उन्होंने कहा महिला के आंसू तो पूरी दुनिया को दिख जाती। लेकिन मर्द का दर्द किसी को नहीं दिखता। गौरतलब है कि पावर स्टार कहे जाने वाले पवन सिंह की शादीशुदा जिंदगी लंबे वक्त से मुश्किल दौर से गुजर रही है।

महादेव सट्टा एप के सभी आरोपियों को मिली जमानत, सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के चर्चित महादेव सट्टा एप मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई है। इस दौरान महादेव आनलाइन सट्टेबाजी केस के सभी 12 आरोपितो को जमानत मिल गई। ये सभी आरोपी पिछले ढाई साल से रायपुर की सेंट्रल जेल में बंद है।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सूदरैश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने महादेव सट्टा एप मामले की सुनवाई की। इस दौरान इस सट्टा एप से जुड़े भीम सिंह यादव, अर्जुन यादव, चंद्रभूषण वर्मा, सतीश चंद्राकर समेत सभी 12 आरोपियों को जमानत मिल गई है।

जानकारी के मुताबिक, साल 2016 में सौरभ चंद्राकर, रवि उप्पल और अतुल अग्रवाल द्वारा महादेव बुक एप लॉन्च किया गया था। यह ऐप धीरे-धीरे ऑनलाइन सट्टेबाजी का सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया। इसके माध्यम से क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस और बैडमिंटल तक कि भविष्यवाणी पर दांव लगाए जाते थे। यह ऑनलाइनट सट्टा ऐप दुबई से संचालित होता था। जो धीरे-धीरे जुआ और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों के लिए कुख्यात हो गया।

2020 में पकड़ी रफ्तार- साल 2016 में लॉन्च हुआ यह ऐप 2020 में रफ्तार पकड़ने लगा। इस दौरान महादेव ऐप के संचालकों ने हैदराबाद स्थित रेड्डी अन्नानामक एक और दूसरे सट्टेबाजी प्लेटफार्म को करीब 1,000 करोड़ रुपये में खरीदा।

DNPA ने अपनाया मैग्नाइट एक्सेस, प्रीमियम इंवेंट्री और ऑडियंस डेटा तक पहुंच होगी आसान

DNPA
DIGITAL NEWS PUBLISHERS ASSOCIATION

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 22 प्रमुख न्यूज मीडिया प्रकाशन का प्रतिनिधित्व करने वाली कंपनी डिजिटल मीडिया पब्लिशर्स एसोसिएशन ने बड़ी घोषणा की है। DNPA का कहना है कि कंपनी के कई सदस्यों ने मैग्नाइट एक्सेस को अपना लिया है। मैग्नाइट देश की सबसे बड़ी स्वतंत्र सेल-साइड विज्ञापन कंपनी है। DNPA के सदस्यों को अब मैग्नाइट सेल्फ सर्विस की पहुंच मिल जाएगी, जिसकी मदद से वो फर्स्ट और थर्ड पार्टी ऑडियंस तक अपनी पहुंच सुनिश्चित कर सकेंगे।

साझेदारी के मायने- मैग्नाइट के एक्सेस से DNPA के सदस्यों को साझा डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को लागू करने का अधिकार मिलेगा। इससे उन्हें अपनी प्रीमियम इंवेंट्री में हाई वैल्यू ऑडियंस सेगमेंट बनाने में मदद मिलेगी। यूनिफाइड इकोसिस्टम सपोर्ट्स प्राइवेट मार्केटप्लेस और प्रोग्रामैटिक गारंटी की डील से प्रकाशकों और विज्ञापनदाताओं, दोनों को फायदा होगा। यह क्रॉस-पब्लिशर ऑडियंस पैकेज बनाने की क्षमता को भी अनलॉक करता है।

क्या होगा फायदा- DNPA की महासचिव सुजाता गुप्ता के अनुसार, यह गठबंधन काफी समय से मौजूद औद्योगिक चुनौतियों से निपटने में मददगार होगा। यह एक दूरदर्शी दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है और नवाचार एवं सहयोग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सुजाता गुप्ता के अनुसार, मैग्नाइट की मदद से हम एडवर्टाइजर्स को एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ बेहतर सुविधाएं देने का मौका मिलेगा। साथ ही इससे हमें दर्शकों और प्रीमियम इन्वेंट्री पर अधिक नियंत्रण भी बना रहेगा। वहीं, मैग्नाइट एशिया के मैनेजर गेविन बक्सटन के अनुसार, यह इस तरह की पहली साझेदारी है, जिसपर मैग्नाइट को गर्व है। अपनी तकनीकों के माध्यम से DNPA प्रकाशकों और दर्शकों को सक्षम बनाएंगे। हम स्वतंत्र पत्रकारिता के मूल्य को बढ़ाने, खरीद और बिक्री दोनों पक्षों के लाभ के लिए स्केलेबल और टिकाऊ समाधान प्रदान करने में मदद कर रहे हैं।÷

60 करोड़ के धोखाधड़ी केस में बढ़ी शिल्पा शेट्टी की मुश्किल, कोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके बिजनेसमैन पति राज कुंद्रा की मुश्किलें और भी ज्यादा बढ़ गई हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कपल के विदेश जाने पर रोक लगा दी है। अदालत का आदेश है कि शिल्पा और उनके पति को धोखाधड़ी मामले में 60 करोड़ रुपए देने होंगे।

आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी किया था। यह आदेश अभी भी लागू है, जिसके चलते शिल्पा और राज अदालत या जांच एजेंसी की इजाजत के बिना विदेश नहीं जा सकते हैं।

कोलंबो जाने की मांगी थी इजाजत- शिल्पा शेट्टी को एक यूट्यूब इवेंट के लिए कोलंबो जाना था, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने उन्हें देश छोड़कर जाने की इजाजत नहीं दी। शिल्पा शेट्टी के वकील ने कोर्ट को बताया कि, एक्ट्रेस को 25-29 अक्टूबर तक एक यूट्यूब इवेंट के लिए कोलंबो जाना पड़ेगा। ऐसे में अदालत ने निमंत्रण पत्र मांगा। इसपर शिल्पा के वकील ने कहा कि अभी सिर्फ फोन पर बात हुई है, निमंत्रण पत्र वहां पहुंचने पर ही दिया जाएगा।

14 अक्टूबर को होगी सुनवाई- बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मांग को तुरंत खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि पहले कपल धोखाधड़ी के केस में 60 करोड़ रुपये देने होंगे, इसके बाद ही वो विदेश जाने की इजाजत मांग सकते हैं। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को होगी।

पहले भी लगाई थी रोक- बता दें कि पिछले हफ्ते भी बॉम्बे हाईकोर्ट ने शिल्पा और राज के थाईलैंड स्थित फुकेत जाने पर रोक लगा दी थी। अदालत का कहना था कि कपल के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगे हैं, जिनका मामला अभी लंबित है।

क्या है पूरा मामला- बिजनेसमैन दीपक कोठारी ने शिल्पा शेट्टी और उनके पति पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए कहा है कि कपल ने पहले उन्हें 60 करोड़ रुपये निवेश करने का झांसा दिया और फिर उन पैसों को निजी खर्चे के लिए इस्तेमाल कर लिया।

फेसबुक पर लाइव आकर युवक ने की खुदकुशी की कोशिश, पत्नी बोली- ड्रामा कर रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक से पारिवारिक विवाद का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक अपनी पत्नी से परेशान होकर फेसबुक लाइव पर खुदकुशी की कोशिश की है। जिस व्यक्ति ने खुदकुशी की कोशिश की उसका नाम सलमान पाशा और उसकी पत्नी का नाम सैयद निकहत फिरदौस है। जो पेशे से हाइड्रोलिक मैकेनिक है और वह कुछ समय पहले ही कुवैत से भारत लौटा था।

दरअसल, कर्नाटक के जयनगर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित युवक ने आरोप लगया है कि शादी के दो साल तक सबकुछ ठीक था। वह जैसे ही विदेश गया और उसकी पत्नी गर्भवती हुई। वैसे ही दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। सलमान नामक युवक ने आरोप लगया है कि उसकी पत्नी का एआईएमआईएम नेता के साथ अवैध संबंध है और उसने उसे अपने दो बच्चों से मिलने से मना कर दिया है। इसके बाद युवक ने अपनी पत्नी और उसके रिश्तेदारों पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए फेसबुक पर लाइव आकर आत्महत्या का प्रयास किया।

पैसे के दबाव का आरोप- सलमान ने अपनी पत्नी, उसके फैमिली, और रिश्तेदार एआईएमआईएम के तुमकुरु जिला अध्यक्ष सैयद बुरहान उद्दीन पर मानसिक उत्पीड़न और पैसे के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया। सलमान ने फेसबुक पर लाइव लाइव आकर महिला पुलिस थाने पर अपनी पत्नी के परिवार का पक्ष लेने का आरोप लगाया। सलमान ने कहा कि उन्हें पहले भी उनके खिलाफ दर्ज एक झूठे मामले में जेल भेजा जा चुका है।

सलमान के परिवार वालों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, सलमान को तुमकुरु जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

वहीं, इस पूरे मामले को लेकर सलमान की पत्नी सैयद निकहत फिरदौस ने पति के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और उसे झूठा और मनगढ़ंत बताया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

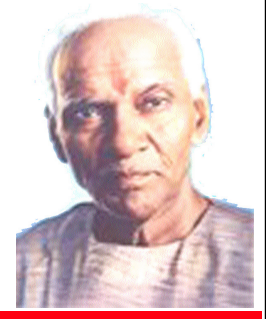

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृतीया

संपादकीय

सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कारों की घोषणाएँ 2025 में भी 6 से 13 अक्टूबर तक क़े नोबेल सप्ताह में की जा रही है

वैश्विक स्तरपर सबसे प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कारों की घोषणाएँ हर वर्ष की तरह, 2025 में भी 6 से 13 अक्टूबर तक क़े नोबेल सप्ताह में की जा रही है जिस पर पूरे विश्व की नज़रें लगी हुई है विशेष रूप से नोबेल शांति पुरस्कार पर। चिकित्सा से शुरुआत, फिर भौतिकी, रसायन, साहित्य, शांति और अन्त में अर्थशास्त्र, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025, चिकित्सा की घोषणा हुई नोबेलसमिति द्वारा नॉबेल चिकित्सा या जीवविज्ञान पुरस्कार की घोषणा की गई। घोषणा आमतौर पर स्टॉकहोम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में होती है, और लाइव प्रसारण किया जाता है। यह पहला दिन होने के कारण वैज्ञानिक और स्वास्थ्य जगत में उच्च उत्सुकता होती है, और यह नोबेल सप्ताह की शुरुआत का संकेत देता है। दूसरे दिन मंगलवार 7 अक्टूबर 2025 भौतिकी पुरस्कार की घोषणा हुई है। यह परम्परा है कि भौतिकी पुरस्कार सप्ताह के दूसरे दिन घोषित किया जाए। बुधवार, 8 अक्टूबर 2025- रसायन पुरस्कार, 9 अक्टूबर 2025, साहित्य पुरस्कार की घोषणा होती है। साहित्य जगत, लेखकों, कवियों, आलोचकों एवं साहित्य- प्रेमियों के लिए यह एक उत्सव का दिन होता है। विजेता लेखक की पिछली कृतियाँ, विषय, उनकी वैश्विक प्रभाव और भाषा- संघर्ष चर्चित होते हैं।आमतौर पर, विजेता पहले से अज्ञात होते हैं,यानी लेखक को अचानक इस खबर की अभिभूत कर देने वाली घोषणा सुननी होती है।मीडिया एवं साहित्यकार तुरंत प्रतिक्रियाएँ देते हैं, क्या यह सही चयन है?,इसका साहित्य जगत पर क्या असर होगा?,इसके बाद लेखक की प्रसिद्धि और उनकी पुस्तकें किन भाषाओं में अनुवाद होंगी? आदि सवाल उठते हैं।शुक्रवार,10 अक्टूबर 2025 शांति पुरस्कार की घोषणा, यह पुरस्कार नोर्वेजियन नोबेल समिति द्वारा सौंपा जाता है, जो नॉर्वे की संसद द्वारा नामित सदस्यों से मिलकर बनती है। इस दिन पूरी दुनियाँ की निगाहें तनावपूर्ण होती हैं,क्योंकि शांति पुरस्कार का राजनीतिक और सामाजिक महत्व बहुत अधिक होता है।विजेता या विजेताओं की घोषणा होते ही वैश्विक मीडिया,सरकारें, सामाजिक-न्याय और मानवाधिकार संगठन अपनी प्रतिक्रियाएँ देते हैं। पुरस्कार विजेता को शांति- संबंधी योगदानों के आधार पर आलोचना या समर्थन मिलता है।कई बार इस दिन ही यह विवाद उत्पन्न होता है कि क्या चयन न्यायसंगत है, क्या विजेता ने वास्तव में शांति लाने में योगदान दिया है,आदि।बाद में (दिसंबर में) विजेता को ओस्लो में शांति पुरस्कार समारोह और संबद्ध कार्यक्रम (जैसे संवाद, व्याख्यान) आयोजित होते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि,अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को कई दिनों से शांति पुरस्कार मिलने की संभावना है चल रही है जबकि वे खुद कबूल कर चुके हैं कि उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं दिया जाएगा, वैसे भी कई नॉमिनेशन सिफारिशें अंतिम तारीख निकालने के बाद गए हैं, वैसे भी मीडिया के अनुसार वे एक विवादास्पद, चिर विवादित और प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्तित्व हैं, लंबे समय से नोबेल शांति पुरस्कार को प्राप्त करने की आकांक्षा रखते हैं,या कम-से-कम इसके लिए नामित होना चाहते हैं। इस खंड में मैं उनके उस सपने की सम्भाव्यता, उसकी रणनीति, चुनौतियाँ और समाज-राजनीति में इसके असर को समझने की कोशिश करूँगा। सोमवार, 13 अक्टूबर 2025, अर्थशास्त्र पुरस्कार की घोषणा, विजेताओं को इस घोषणा के बाद दिसंबर में स्टॉकहोम में पुरस्कार ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। इस दिन के बाद नोबेल सप्ताह की घोषणाएँ समाप्त होती हैं और अगले महीनों में पुरस्कार वितरण, संवाद एवं समारोहों की व्यवस्था होती हैं नोबेल पुरस्कार वितरण समारोह 10 दिसंबर को होता है,यह दिन अल्फ्रेड नोबेल के निधन की वर्षगांठ है।

गोपबंधु दास

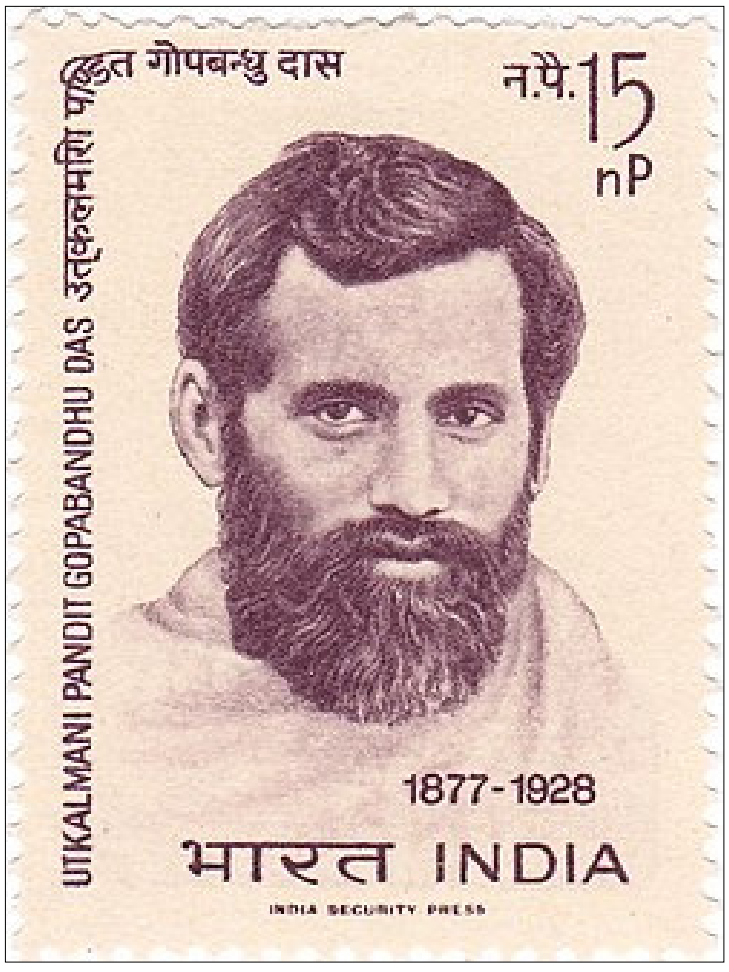

गोपबंधु दास प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, कवि तथा साहित्यकार थे। ये उड़ीसा के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता थे। गोपबंधु दास को उत्कल मणि के नाम से भी जाना जाता है। उड़ीसा राज्य में जब भी राष्ट्रीयता और स्वाधीनता संग्राम की बात की जाती है, तब लोग गोपबंधु दास का ही नाम लेते हैं। उड़ीसा के लोग इन्हें दरिद्र सखा अर्थात् दरिद्र के सखा के रूप में याद करते हैं। गोपबंधु दास ने उत्कल के विभिन्न अंचलों को संघठित करके पूर्ण उड़ीसा राज्य बनाने की जी-जान से कोशिशें की थीं। उत्कल के दैनिक पत्र समाज के ये संस्थापक थे।

जन्म तथा शिक्षा

गोपबंधु दास का जन्म 9 अक्टूबर, 1877 को उड़ीसा के पुरी ज़िले में साक्षी गोपाल के निकट सुआंडो नामक गाँव में हुआ था। इनके पिता का नाम दैतारि दास तथा माता का नाम स्वर्णमायी देवी था। इनका सम्बन्ध एक ग़रीब ब्राह्मण परिवार से था। गोपबंधु दास ने पुरी, कटक तथा कलकत्ता (वर्तमान कोलकाता) में शिक्षा ग्रहण की थी। इन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से सन 1906 में एल. एल. बी. की डिग्री प्राप्त की।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ

शिक्षा पूरी करने के बाद गोपबंधु दास आजीविका के लिए वकालत करने लगे। वे जीवन पर्यंत शिक्षा, समाज सेवा और राष्ट्रीय कार्यों में संलग्न रहे। राष्ट्रीय भावना इनके अन्दर बाल्यकाल से ही विद्यमान थी। गोपबंधु दास विद्यार्थी जीवन से ही उत्कल सममिलनी संस्था में शामिल हो गये थे। इस संस्था का एक उद्देश्य सभी उड़िया भाषियों को एक राज्य के रूप में संगठित करना भी था। उन्होंने इसे स्वतंत्रता संग्राम की अग्रवाहिनी बनाया। जब महात्मा गाँधी ने असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया तब गोपबंधु दास ने अपनी संस्था को कांग्रेस में मिला दिया।

जेल यात्रा

गोपबंधु दास उड़ीसा में राष्ट्रीय चेतना के अग्रदूत थे। स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने अनेक बार जेल की यात्राएँ कीं। 1920 की नागपुर कांग्रेस में उनके प्रस्ताव पर ही कांग्रेस ने भाषावार प्रांत बनाने की नीति को स्वीकार किया था। उड़ीसा राष्ट्रवाद के वे श्रेष्ठ पादरी बन गए थे तथा 1921 में उन्होंने उड़ीसा में असहयोग आंदोलन की अगुवाई की। उन्हें दो वर्ष की कैद हुई। गोपबंधु दास लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित सर्वेन्ट ऑफ दी प्यूपल सोसायटी के भी सदस्य बने थे।

स्कूल की स्थापना

वर्ष 1909 में गोपबंधु दास ने साक्षी गोपाल में एक हाई स्कूल की स्थापना की। यह विद्यालय शांतिनिकेतन की भाँति खुले वातावरण में शिक्षा देने का एक नया प्रयोग था।

रचनाएँ

सन 1919 में गोपबंधु दास ने समाज नामक एक साप्ताहिक अख़बार निकाला। 1930 में यह दैनिक अख़बार बन गया। अब गोपबन्धु सामाजिक सेवाओं के प्रति समर्पित हो गये। गोपबन्धु एक प्रसिद्ध लेखक और साहित्यकार भी थे। उन्होंने कुछ कविताएँ तथा गद्य लिखे, उनमें से निम्न थे-

बन्दीर आत्मकथा - एक कैदी की आत्मकथा
अवकाश चिन्ता - लेजर टाइम थोट्स
कारा कविता - जेल में लिखी कविताएँ
नचिकेता उपाख्यान - नचिकेता की कहानी
धर्मपद
गो माहात्मय

क्या है डी डॉलराइजेशन, जिसकी वजह से बढ़ रही सोने की कीमतें, एक्सपर्ट ने समझाया दुनियाभर में चल रहा ये खेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने की कीमतों ने आज फिर से रिकॉर्ड हाई लगा दिया है। इंटरनेशनल मार्केट में जहां गोल्ड 4000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया है, वहीं देश में सोने का हाजिर भाव 1,22,800 रुपये हो गया है। अब तक आपने सोने में तेजी के कई कारणों के बारे में सुना होगा, इनमें जियो-पॉलिटिकल टेंशन, ब्याज दरों में कमी और डिमांड में मजबूती जैसे अहम कारण शामिल होंगे। लेकिन, सोने में पिछले 5 सालों से लगातार तेजी का एक बड़ा कारण है डी डॉलराईजेशन है, जिसके चलते दुनियाभर के सेंट्रल बैंक जमकर गोल्ड खरीद रहे हैं।

कमोडिटी मार्केट एक्सपर्ट अजय केडिया ने इस बारे में विस्तार से बताया है, तो आइये आपको बताते हैं आखिर क्या है डी डॉलराईजेशन और यह कैसे सोने की कीमतों में तेजी का बड़ा कारण बन रहा है।

अजय केडिया ने बताया कि जब कोई भी देश डॉलर से दूर जाता है या दूरी बनाता है तो यह डी डॉलराईजेशन कहलाता है। दरअसल, हर देश अपने फॉरेक्स रिजर्व में डॉलर या यूएस बॉन्ड रखता है और इसे बढ़ाता है। क्योंकि, कच्चा तेल समेत देश में आयात होने वाले अन्य अहम सामानों का भुगतान सरकार को डॉलर में करना पड़ता है। सालों से डॉलर को लेकर यही रुख चलता आया है। लेकिन, हाल के वर्षों में अमेरिका की नीतियों से डॉलर को लेकर कई देशों का मोहभंग हुआ है। खासकर 2015 और 2016 के बाद से जिस तरह अमेरिका ने रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए। रूस के अलावा अमेरिका हर कभी किसी देश पर नए प्रतिबंध थोप देता है इसलिए कई बड़े देशों ने डॉलर से दूरी बनाना शुरू कर दी। अजय ने कहा, अब सवाल है कि डॉलर से दूर जाएं तो निवेश कहां करें...इसके लिए गोल्ड सबसे बड़ा विकल्प बनकर उभरा, इसलिए पिछले 5 सालों में कई देशों के सेंट्रल बैंक्स ने सोने में निवेश करना शुरू किया। ऐसे में डॉलर की ताकत कम होती दिख रही है और इस वजह से अमेरिका कई देशों से चिढ़ा हुआ है। अजय केडिया ने कहा कि इंडिया और रूस के बीच लेन-देन अब बिना डॉलर के हो रहा है और दोनों देशों ने ट्रांजेक्शन के लिए वोस्त्रो अकाउंट की शुरुआत कर दी है। ठीक इसी तरह ईरान के साथ भी भारत इसी तर्ज पर व्यापार कर रहा है।

बाजार में उतरते ही 40% टूट गया यह शेयर, 135 रुपये से 83 रुपये के नीचे आया शेयर का दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई बेस्ड लॉजिस्टिक्स कंपनी ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स के शेयर पहले ही दिन बाजार में धड़ाम हो गए हैं। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 40 पर्सेंट लुढ़क गए हैं। ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स के शेयर बुधवार को NSE पर 40 पर्सेंट डिस्काउंट के साथ 81.50 रुपये पर लिस्ट हुए। कंपनी के शेयर 135 रुपये के इश्यू प्राइस से 53.50 रुपये नीचे लिस्ट हुए। आईपीओ में ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स के शेयर का दाम 135 रुपये था। वहीं, BSE में कंपनी के शेयर 82.50 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 29 सितंबर 2025 को खुला था और यह 3 अक्टूबर तक ओपन रहा। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 122.31 करोड़ रुपये तक का था।

कमजोर लिस्टिंग के बाद ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स के शेयरों में थोड़ी तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर NSE में 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 85.57 रुपये पर पहुंच गए हैं। वहीं, BSE में कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 86.60 रुपये पर जा पहुंचे हैं। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 99.04 पर्सेंट थी, जो कि अब 72.09 पर्सेंट रह गई है। राहुल जगन्नाथ जोशी, जितेंद्र मगनलाल जोशी, हर्मेश राहुल जोशी और कामेश राहुल जोशी कंपनी के प्रमोटर्स हैं।

Loan के लिए नहीं लगानी पड़ेगी लाइन, कुछ सेकेंड में मिलेगा? 15 हजार तक का लोन; वित्त मंत्री ने खुद कर दी घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत डिजिटल पेमेंट का सबसे बड़ा खिलाड़ी है। आज दुनिया में सबसे अधिक डिजिटल पेमेंट भारत में होते हैं। भारत धीरे-धीरे विकास की नई सीढ़ियां चढ़ रहा है। देश में रोज नए-नए बदलाव भी हो रहे है। पेमेंट से लेकर लोन तक सब कुछ बहुत ही आसान हो रहा है। लोन के लिए अभी तक लंबी लाइन लगानी पड़ती थी और दर-दर के चक्कर लगाने पड़ते थे लेकिन अब कुछ ही सेकेंड में आपको 15 हजार रुपये तक का लोन मिल जाएगा। इसकी घोषणा खुद भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मुंबई में मंगलवार को शुरू हुए एशिया के सबसे बड़े फिनटेक इवेंट में की। इस इवेंट में रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई बड़ी डिजिटल क्रांतियों के बारे में जिक्र किया। देश में समय-समय पर हो रही डिजिटल क्रांति का सीधा फायदा आम लोगों, छोटे व्यापारियों और कम आय वाले लोगों को होगा।

सेकेंडों में मिलेगा 15 हजार रुपये तक का लोन- इस इवेंट में की प्रमुख घोषणा कुछ ही सेकेंडों में मिलने वाले 15 हजार तक के लोन और बिना इंटरनेट के UPI पेमेंट सुविधा रही। नई घोषणा के अनुसार चुनिंदा बैंक और फिनटेक कंपनियां UPI यूजर्स को छोटी अवधि (जैसे 7 से 30 दिन) के लिए 5,000 से 15,000 तक की क्रेडिट लिमिट देंगी। यह एक प्रकार से लोन की ही तरह होगा। यानी आप बिना बैंक खाते के क्रेडिट लाइन का इस्तेमाल करके पेमेंट कर सकते हैं। 15 हजार तक लोन की मंजूरी के लिए कागजी प्रक्रिया की भी आवश्यकता नहीं होगी।

इसके अलावा वित्त मंत्री ने फॉरेन करेंसी सेटलमेंट सिस्टम की शुरुआत करने की भी घोषणा की। इस सिस्टम से विदेशी लेन-देन अब रियल टाइम में हो जाएगा। अभी इसमें 48 घंटे तक का समय लगता है। वहीं, अब तो यूपीआई के जरिए ऑफलाइन पेमेंट भी हो जाएगी। यानी जहां इंटरनेट नहीं है वहां भी अब डिजिटल पेमेंट किया जा सकता है।

950 करोड़ के राइट्स इश्यू को मंजूरी, इस शेयर पर टूटे निवेशक, भाव 25 से कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में कई ऐसे स्मॉल फाइनेंस बैंक लिस्टेड हैं। इनमें से एक उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड भी है। इस स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर की कीमत 25 रुपये से भी कम है और इसमें बुधवार, 8 अक्टूबर को करीब 4 पर्सेंट उछाल आया। सप्ताह के तीसरे दिन शेयर ट्रेडिंग के दौरान यह शेयर 22.87 रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के अंत में शेयर की कीमत 2.94त्न बढ़कर 22.42 रुपये थी। यह तेजी ऐसे समय में आई जब इस स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपनी बोर्ड बैठक में 950 करोड़ के राइट्स इश्यू की शर्तों को मंजूरी दे दी।

राइट्स इश्यू के तहत कंपनी 10 अंकित मूल्य वाले पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर जारी करेगी। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के बोर्ड ने इस 950 करोड़ के राइट्स इश्यू के तहत पात्र निवेशकों को 67.79 करोड़ इक्विटी शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। राइट्स इश्यू की कीमत 14 प्रति शेयर तय की गई है, जो शेयर के मौजूदा बाजार मूल्य की तुलना में 33त्न कम है।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक के मौजूदा शेयरधारक रिकॉर्ड तिथि पर अपने प्रत्येक 13 शेयरों के बदले आठ पूर्ण चुकता राइट्स इक्विटी शेयर प्राप्त करने के पात्र होंगे। बोर्ड ने राइट्स इश्यू के लिए मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025 को रिकॉर्ड तिथि के रूप में मंजूरी दी है।

इंटरनेशनल मार्केट में मचा हाहाकार, 4000 से ज्यादा हो गई कीमत, क्या अब होगी गिरावट?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली का उत्सव आने से पहले ही सोने और चांदी में आए दिन तूफानी तेजी आ रही है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि इस समय सोना या चांदी जैसी धातु खरीदना शुभ माना जाता है। मांग बढ़ने की वजह से सोना और चांदी आए दिन रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं।

इस बीच सोने ने इंटरनेशनल मार्केट में हाहाकार मचा दिया है। इंटरनेशनल मार्केट में सोने ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए है। आज सुबह इंटरनेशनल मार्केट में

सोने की कीमत 4000 डॉलर प्रति ओनस से ज्यादा चल रही है।

वहीं एमसीएक्स में भी सोने ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 10 ग्राम सोने ने 122,000 रुपये पार कर लिए है। वहीं चांदी भी कम पीछे नहीं है। दोपहर 12 बजे के आसपास चांदी का भाव 2315 रुपये प्रति किलो बढ़ा है।

4000 डॉलर के पार पहुंची कीमत- इंटरनेशनल मार्केट में सुबह 11 बजे के आसपास सोने ने अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अगर भारतीय रुपयों में देखें तो ये 125,314 रुपये प्रति 10 ग्राम है। इसके अलावा आज सुबह 11 बजे के आसपास ही एमसीएक्स में सोने ने अब तक सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

एमसीएक्स में 10 ग्राम सोने की कीमत 1,22,000 रुपये के पार हो चुकी है। दोपहर 12 बजे के आसपास 10 ग्राम सोने का भाव 122,669 रुपये प्रति 10 ग्राम चल रहा है। सोने में अभी 1558 रुपये की बढ़ोतरी है। सोने ने अब तक 121,878 रुपये प्रति 10 ग्राम का लो रिकॉर्ड और 122,775 रुपये प्रति 10 ग्राम का हाई रिकॉर्ड बनाया है।

एक पॉजिटिव खबर और 18% उछल गया यह शेयर, निवेशकों में खरीदने की है होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच 8 अक्टूबर को साल्जर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में तूफानी तेजी आई। सप्ताह के तीसरे दिन यानी बुधवार को यह शेयर करीब 18 पर्सेंट उछलकर 900 रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद शेयर में मामूली मुनाफावसूली देखने को मिली। हालांकि, इसके बावजूद शेयर ग्रीन जोन में ही ट्रेड कर रहा था।

साल्जर इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयरों में तेजी की वजह कंपनी की एक घोषणा है। कंपनी ने बताया है कि उसे अपने उत्पाद हाई-वोल्टेज अनुप्रयोगों को डिस्कनेक्टिंग और अर्थिंग डिवाइस के लिए पेटेंट मिल गया है। नए पेटेंट वाले इस उत्पाद को ट्रैक्शन और लोकोमोटिव सिस्टम और अन्य हाई-वोल्टेज बिजली नेटवर्क में उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है। यहां सुरक्षित मेंटेनेंस और कॉम्पैक्ट इंस्टॉलेशन जरूरी है। कंपनी ने कहा कि यह पारंपरिक मॉडलों की तुलना में आकार में काफी छोटा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

जबलपुर में मूर्ति विसर्जन के दौरान तलवार से युवक की हत्या, माढोताल पुलिस ने 4 आरोपियों को 48 घंटे में दबोचा

जबलपुर। माढोताल थाना क्षेत्र में विसर्जन चल समारोह के दौरान हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे चार आरोपियों को 48 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। घटना में शामिल एक आरोपी अब भी फरार बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, मामला अपराध क्रमांक 695/25 धारा 103(1), 191(2), 191(3) बीएनएस तथा धारा 3(2)(अ), 3(2)(अं) अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था।

गिरफ्तार आरोपी

1. शुभम उर्फ शिवम चक्रवर्ती (21 वर्ष), निवासी गली नं. 4 राजीव गांधी नगर
2. राज भट्ट (19 वर्ष), निवासी गली नं. 1 राजीव गांधी नगर
3. अरुण भट्ट (20 वर्ष), निवासी गली नं. 2 राजीव गांधी नगर
4. अरुण चढार उर्फ जैन (20 वर्ष), निवासी गली नं. 2 राजीव गांधी नगर

घटना का विवरण

घटना 5 अक्टूबर 2025 की रात करीब 11 बजे की है। राजीव गांधी नगर निवासी देव वंशकार ने पुलिस को बताया कि उसके पिता ईश्वर प्रसाद वंशकार (39 वर्ष) विसर्जन जुलूस में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में वे गुटखा लेने के लिए एक गली में गए, जहां कुछ युवकों ने उन्हें तलवार, पाइप और हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया। परिजनों ने घायल ईश्वर प्रसाद को स्वास्तिक अस्पताल और फिर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि हमला जातिगत द्वेष के चलते किया गया।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता और नगर पुलिस अधीक्षक भगत सिंह गौठरिया के निर्देशन में थाना प्रभारी नीलेश दोहरे के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

मुखबिर की सूचना पर 7 अक्टूबर को पाटन बायपास से चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया और बताया कि वारदात में प्रयुक्त पाइप और डंडे उन्होंने घर के पीछे फेंक दिए थे। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हथियार बरामद कर लिए हैं।

एक आरोपी अब भी फरार

मुख्य आरोपी फुलवर भट्ट अब भी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

गिरफ्तारी अभियान में थाना प्रभारी नीलेश दोहरे, उप निरीक्षक नीलेश पोर्ते, विजय पुष्पकार, एएसआई विजय शुक्ला, प्रधान आरक्षक ओमकार मेहरा, आरक्षक सचिन मेहरा, निकेश, पुष्पराज और गनपत मर्सकोले की अहम भूमिका रही।

गोवंश कटाई मामला: MP में भड़का आक्रोश, मूवीन अली पर सख्त कार्रवाई की मांग पर रैली... हिंदू समाज ने रखी ये डिमांड

सीहोर- दोराहा क्षेत्र के सिकंदरगंज निवासी मूवीन अली पिता इसाक अली द्वारा गोवंश की अवैध कटाई और सप्लाई करने का मामला सामने आने के बाद पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश फैल गया है। आरोपित को भोपाल की परवलिया थाना पुलिस ने 6 अक्टूबर की सुबह लाल रंग की कार से गोवंश मांस सहित पकड़ा था। पुलिस ने मौके से गोवंश के अवशेष, कार और अन्य साक्ष्य जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रारंभिक जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि मूवीन अली पूर्व में भी कई आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है और आदतन अपराधी प्रवृत्ति का है।

आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग-आरोपित की गिरफ्तारी के बाद सकल हिंदू समाज, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के नेतृत्व में बुधवार को दोराहा में व्यापक आंदोलन हुआ। सुबह से ही बाजार पूरी तरह बंद रहे और आक्रोशित नागरिकों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया।

बस स्टैंड से तहसील तक रैली, गूंजे नारे-दोपहर करीब 12 बजे बस स्टैंड पर सैकड़ों की संख्या में लोग, व्यापारी, युवा और महिला संगठन एकत्र हुए। यहां से सभी रैली के रूप में तहसील कार्यालय की ओर रवाना हुए। रैली के दौरान गोमाता की रक्षा करो , गोवंश वध के दोषियों को सजा दो , धर्म का अपमान नहीं सहेंगे÷ जैसे नारे गूंजते रहे। रैली के दौरान पुलिस बल मुस्तैद रहा और किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए व्यवस्था कड़ी रखी गई।

नरसिंहपुर में ड्यूटी से लौट रहे एएसआई को कार ने मारी टक्कर, CCTV में कैद हुआ हादसे का वीडियो

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले के करेली में ड्यूटी से घर लौट रहे एक एएसआई को तेज रफ्तार इनोवा कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। यह हादसा 4 अक्टूबर को करेली गुरुद्वारा के पास हुआ था और अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर से वायरल हो रहा है। करेली थाना पुलिस ने शिकायत पर कार चालक के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध कर लिया है आरोपी की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार, जबलपुर के चरगुवा थाने में पदस्थ एएसआई लालसिंह सेन 4 अक्टूबर की रात ड्यूटी खत्म कर अपने घर लौट रहे थे। तभी करेली क्षेत्र में गुरुद्वारा के पास पीछे से आ रही इनोवा कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि एएसआई सहित दो अन्य लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। करेली थाने के एसआई अभिषेक जैन ने बताया कि इनोवा कार ने टक्कर मारने के बाद मौके से भागने की कोशिश की। घायल की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी चालक कुणाल शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो करीब तीन से चार दिन पुराना है, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

त्योहार पर जबलपुर से हावड़ा, मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, दिल्ली और रायपुर जाने वालीं ट्रेनें फुल, वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रहे

जबलपुर। दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर घर जाने के लिए यात्रियों ने ट्रेनों की टिकटों की खोज शुरू कर दी है, लेकिन उन्हें कन्फर्म टिकट तो दूर, वेटिंग टिकट भी नहीं मिल रहा है। क्योंकि रेलवे ने ट्रेनों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वेटिंग टिकट पर रिगरेट (वेटिंग टिकट भी नहीं) लगा दिया है।

इससे जबलपुर से हावड़ा, मुंबई, जयपुर, अहमदाबाद, दिल्ली और रायपुर के लिए वेटिंग टिकट प्राप्त करना मुश्किल हो रहा है। रेलवे स्पेशल ट्रेन चलाने और ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने के दावे कर रहा है, लेकिन इससे यात्रियों को राहत मिलती नहीं दिख रही है। इन ट्रेनों में नहीं मिल रहे टिकट

जबलपुर से हावड़ा जाने वाली कोलकाता मेल 12322 में 14 से 27 अक्टूबर तक थर्ड एसी में वेटिंग टिकट उपलब्ध नहीं है। 14 अक्टूबर को थर्ड एसी इकोनामी और 15 अक्टूबर को स्लीपर से लेकर थर्ड एसी, सेकंड एसी और

फर्स्ट एसी में रिगरेट लगा दिया गया है। 17 अक्टूबर से इस रूट की शक्तिपुंज ट्रेन में भी थर्ड एसी में रिगरेट लागू है। जबलपुर-प्रयागराज के लिए किसी भी ट्रेन में वेटिंग टिकट नहीं मिल रहे हैं।

इसी प्रकार, जबलपुर से इंदौर जाने वाली ओवरनाइट एक्सप्रेस में 25 अक्टूबर को थर्ड एसी इकोनामी में रिगरेट लगाया गया है। जबलपुर से सोमनाथ एक्सप्रेस में भी रिगरेट लगाया गया है। जबलपुर से मुंबई जाने वाली ट्रेनों के स्लीपर और एसी कोच में भी रिगरेट लागू है। जबलपुर से हजरत निजामुद्दीन जाने वाली महाकौशल एक्सप्रेस में 25 और 26 अक्टूबर को थर्ड एसी इकोनामी में रिगरेट लगाया गया है।

मंगलवार को दोपहर लगभग दो बजे जबलपुर रेलवे स्टेशन पर पुणे-पटना ट्रेन के आने की घोषणा हुई। ट्रेन प्लेटफार्म पर पहुंचते ही यात्रियों ने चढ़ना शुरू कर दिया। जनरल और स्लीपर कोचों में पहले से ही यात्री गेट के पैरदान तक बैठे थे।

अतिरिक्त कोच की व्यवस्था नाकाफी

रेलवे ने जबलपुर-रायपुर के बीच इंटरसिटी में अतिरिक्त कोच लगाने की योजना बनाई है। रानी कमलापति-जबलपुर-दानापुर स्पेशल ट्रेन में दो अतिरिक्त कोच लगाए जाएंगे, जिससे 136 सीटें बढ़ेंगी।

स्टेशन के बाहर लगाए जाएंगे डोम

त्योहार के दौरान यात्रियों को बैठने के लिए जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म एक और छह के बाहर डोम लगाए जाएंगे। इसमें चार हजार यात्रियों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। पूछताछ केंद्र भी डोम में होगा। ट्रेन आने के कुछ मिनट पहले ही यात्रियों को प्लेटफार्म में प्रवेश दिया जाएगा।

टिकट काउंटर की संख्या बढ़ाई

त्योहार में स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण करने के लिए प्लेटफार्म एक और छह के बाहर डोम लगाया जाएगा। टिकट काउंटर की संख्या बढ़ाई जा रही है। स्पेशल ट्रेनें भी चलाई गई हैं। कुछ ट्रेनों में कोच बढ़ाने पर जल्द निर्णय लिया जाएगा।

प्राकृतिक एवं जैविक खेती को करें प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा प्रदेश कृषि उपज पर आधारित है। इसलिए सरकार का मूल लक्ष्य प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना और कृषि फसलों की तुलना में उद्यानिकी फसलों का रकबा बढ़ाना है। हमें इन क्षेत्रों में उद्यमिता के नए अवसर भी बनाने हैं। सभी कलेक्टर्स अपने-अपने? जिलों में किसानों को प्राकृतिक और जैविक खेती करने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्हें हरसंभव मदद भी मुहैया कराएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को भोपाल में कलेक्टर्स-कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस-2025 के पहले सत्र कृषि एवं संबद्ध सेक्टर्स को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे ग्रामीण युवा आने वाले समय में कृषि उद्यमी बनें, इसके लिए हमें मिल-जुलकर प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि खेती को जैविक खेती की ओर ले जाना एक बड़ी चुनौती है, पर हमें यह चुनौती भी पार करनी ही होगी। मुख्यमंत्री ने कहा? कि श्री अन्न अर्थात मिलेट्स को प्रोत्साहन देकर इनकी उपज को लगातार बढ़ाना भी हमारा लक्ष्य है, हमें इस दिशा में भी ठोस प्रयास करने होंगे। किसानों को परंपरागत खेती से शिफ्ट कर उद्यानिकी, दुग्ध उत्पादन एवं मत्स्य पालन जैसे आमदनी बढ़ाने वाले कार्यों की ओर लेकर जाना है। प्रदेश में केला, संतरा, टमाटर एवं अन्य उद्यानिकी की फसलें बड़ी मात्रा में होती हैं। हमें इनके स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण एवं बड़े बाजारों तक मार्केटिंग की व्यवस्था भी करनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि फसलों में उर्वरक की खपत सिर्फ वैज्ञानिक आधार पर ही होनी चाहिए। यदि नहीं हो रही है तो इस पर नियंत्रण जरूरी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स अपने-अपने जिलों में साप्ताहिक मार्केट, हाट बाज़ारों में प्राकृतिक एवं जैविक खेती की उपज का विक्रय सुनिश्चित करें। साथ ही किसानों को नकद फसलों की खेती के लिए समझाइश देकर प्रोत्साहित करें। इसके लिए अभियान चलाएं। उन्होंने कहा? कि सभी कलेक्टर जिलों में 100-100 किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रेरित कर उसका रिकार्ड रखें और उनकी प्राकृतिक खेती के लाभों का अध्ययन भी करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उद्यानिकी फसलों अर्थात् बागवानी को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने गुना जिले में गुलाब की खेती किए जाने की प्रशंसा करते हुए कहा कि वहां के किसानों ने बड़ा ही प्रगतिशील कदम उठाया है। प्रदेश के सभी धार्मिक शहरों में भी गुलाब की खेती को बढ़ावा दिया जाये, जिससे गुलाब उत्पादन की खपत स्थानीय स्तर पर किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी कलेक्टर कृषि उपज मंडी में सोयाबीन फसल की नीलामी रेट की सघन निगरानी भी रखें।

भावान्तर योजना का करें प्रचार-प्रसार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भावान्तर योजना का भी व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। इस योजना का सर्वाधिक लाभ किसानों को मिलना है और यह बात उन तक पहुंचनी भी चाहिए। भावान्तर योजना के समुचित क्रियान्वयन के लिये सभी कलेक्टर पूरी मेहनत और समर्पण से किसानों को इसका अधिकतम लाभ दिलाएं।

पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर लगाएं सख्त अंकुश- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पराली पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा ?कि प्रदेश में पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर सख्ती से अंकुश लगाएं। इसके लिए सक्रिय नियंत्रण तंत्र विकसित करें और ऐसी घटनाओं पर विशेष फोकस कर निगरानी भी बढ़ाएं। कलेक्टर्स कृषि विभाग का सहयोग लेकर किसानों को पराली/नरवाई न जलाने की समझाइश दें। किसानों को पराली निष्पादन के दूसरे विकल्पों के बारे में बताया जाए, जिससे वे पराली जलाने की ओर प्रवृत्त ही न हों।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने दिया प्रेजेंटेशन- कृषि एवं संबद्ध सेक्टर्स सत्र का संचालन कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने किया और प्रेजेंटेशन दिया। इस सत्र में प्राकृतिक खेती के प्रचार, जलवायु अनुकूल फसलों, उद्यानिकी फसलों के उत्पादन, उत्पादकता केंद्रित क्लस्टर, सूक्ष्म सिंचाई, मत्स्य पालन के लिए केज कल्चर और सेलेक्टिव ब्रीडिंग, फसल अवशेष प्रबंधन, खाद एवं बीज व्यवस्था, सोयाबीन के लिए भावांतर भुगतान योजना, दुग्ध उत्पादन और गौशाला प्रबंधन जैसे विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

भावांतर योजना अंतर्गत पंजीकृत किसानों के रकबा एवं फसल के सत्यापन का कार्य समयसीमा में शतप्रतिशत पूर्ण करें

इंदौर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 हेतु प्राइस डेफिसिट पेमेंट स्कीम (भावांतर योजना) अंतर्गत पंजीकृत किसानों के रकबा एवं फसल का सत्यापन का अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अधीक्षक भू-अभिलेख, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार द्वारा ई-उपार्जन पोर्टल पर किया जाना है। सत्यापन की प्रक्रिया के अंतर्गत उन किसानों का सत्यापन किया जाएगा जिनके पंजीयन में उल्लेखित फसल/ रकबा और गिरदावरी में दर्ज फसल/ रकबा में भिन्नता है, ऐसे किसान जिनका पंजीकृत रकबा विगत वर्ष की तुलना में 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ा हुआ है, किंतु कुल रकबा 5 हेक्टेयर से अधिक नहीं है तथा वे किसान जिनका पंजीकरण 5 हेक्टेयर से अधिक रकबे का है, इन सभी का सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसके अलावा सिकमी, बटाईदार, कोटवार व वन पट्टाधारी किसान, जिन किसानों के आधार नंबर और खसरे के नाम में भिन्नता है, जिनकी भूमि अन्य स्वामित्व में है, ऐसे प्रकरणों का भी सत्यापन किया जाएगा। वन पट्टाधारी किसानों के रकबे, फसल एवं फसल की किस्म का सत्यापन वन विभाग के अमले द्वारा किया जाएगा, जिसकी प्रविष्टि डीएम एमपीएससीएससी लॉगिन से की जाएगी।

पूर्व म.प्र. पुलिस अधिकारी अखिलेश झा बने इंटरनेशनल पुलिस अकादमी, ब्रुसेल्स के मानद निदेशक

इंदौर। मध्यप्रदेश पुलिस के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी अखिलेश झा को इंटरनेशनल पुलिस अकादमी, ब्रुसेल्स (बेल्जियम) के भारत प्रभाग - इंडिया अफेयर्स के मानद निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।

यह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्था, जो विश्व स्तर पर पुलिस प्रशिक्षण और वैश्विक सुरक्षा सहयोग के क्षेत्र में अग्रणी मानी जाती है, ने श्री झा को यह सम्मान पुलिसिंग, सुरक्षा तथा सामुदायिक सेवा में उनके विशिष्ट योगदान के लिए प्रदान किया है।

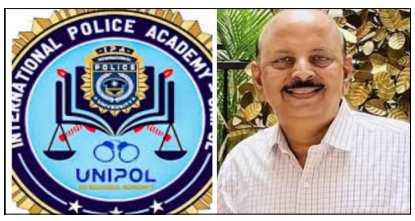

मानद निदेशक के रूप में श्री झा अकादमी के मिशन और उद्देश्यों का भारत तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करेंगे। वे अपने दीर्घ अनुभव और विशेषज्ञता से अकादमी के प्रशिक्षण कार्यक्रमों, शोध कार्यों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को सशक्त बनाने में मार्गदर्शन देंगे।

इंटरनेशनल पुलिस अकादमी एक प्रतिष्ठित अकादमिक और प्रशिक्षण संस्था है, जो विश्व भर के पुलिस, सैन्य और सुरक्षा अधिकारियों को आधुनिक चुनौतियों से निपटने हेतु प्रशिक्षित करती है। इसका उद्देश्य साइबर अपराध, आतंकवाद, मानव तस्करी और संगठित अपराध जैसे समकालीन सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए नवोन्मेषी दृष्टिकोण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करना है।

इंदौर और मध्यप्रदेश की पुलिस बिरादरी ने श्री झा की इस नियुक्ति पर हार्दिक बधाई दी है और इसे राज्य के लिए गौरव का क्षण बताया है। पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान, मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह तथा महासचिव के. के. झा ने भी श्री झा की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे बिहार मूल के लोगों के लिए गर्व का अवसर बताया है।

किडनी संक्रमण से प्रभावित बच्चों के उपचार का पूरा व्यय शासन द्वारा किया जायेगा वहन : मुख्यमंत्री

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किडनी संक्रमित बच्चों के उपचार के लिए संपूर्ण व्यय राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। छिंदवाड़ा और बैतूल जिले के बच्चों का उपचार नागपुर के चिकित्सा संस्थानों में हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किडनी संक्रमण से प्रभावित बच्चों का अच्छे से अच्छा उपचार हो इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। नागपुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज सहित एम्स अस्पताल,कलर्स हॉस्पिटल, न्यू हेल्थ सिटी हॉस्पिटल और गेटवेल हॉस्पिटल में बच्चों का इलाज जारी है। कलेक्टर छिंदवाड़ा और बैतूल द्वारा बच्चों के परिवारों से सतत संपर्क रखते हुए आवश्यक सहायता दी जा रही है। भोपाल से भी बच्चों के उपचार और स्वास्थ्य लाभ की नियमित जानकारी प्राप्त की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 9 बच्चों के उपचार के लिए संपूर्ण राशि प्रभावित परिवारों को राशि उपलब्ध करवाने को कहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर कलेक्टर छिंदवाड़ा ने नागपुर में उपचार करवा रहे बच्चों की सहायता के लिए तीन दल गठित किए हैं। इन दलों में कार्यपालक मजिस्ट्रेट सहित एक विशेषज्ञ चिकित्सक को दायित्व दिया गया है।

राष्ट्र के लिए मध्यस्थता के 90-दिवसीय विशेष अभियान के माध्यम से कुल 4,552 मामलों का सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटारा

इंदौर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के निर्देशों के अनुसार 01 जुलाई 2025 से 07 अक्टूबर 2025 तक राष्ट्र के लिए मध्यस्थता नामक एक विशेष अखिल भारतीय अभियान शुरू किया गया। इस 90-दिवसीय गहन अभियान का उद्देश्य राज्य भर में तालुका न्यायालयों से लेकर उच्च न्यायालयों तक न्यायपालिका के सभी स्तरों पर मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों का निपटारा करना था। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मुख्य संरक्षक, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की प्रेरणा और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन के कुशल मार्गदर्शन में यह अभियान न्यायालयों में लंबित मामलों का उचित समाधान करने और मध्य प्रदेश के कोने-कोने में विवाद समाधान के एक उपयोगकर्ता-अनुकूल माध्यम के रूप में मध्यस्थता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया।

अभियान के दौरान राज्य भर में मध्यस्थता के माध्यम से कुल 4,552 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया और इंदौर जिले में 285 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया, जिनमें काफी संख्या में लंबे समय से लंबित पुराने मामले भी शामिल थे। निपटाए गए मामलों में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद, ऋण वसूली, बंटवारा, बेदखली, भूमि अधिग्रहण और अन्य उपयुक्त दीवानी मामले शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि ÷राष्ट्र के लिए मध्यस्थता÷ अभियान, नालसा और सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति (एमसीपीसी) द्वारा 1 जुलाई, 2025 से शुरू होने वाली एक राष्ट्रव्यापी 90-दिवसीय पहल है। इसका उद्देश्य मध्यस्थता के माध्यम से लंबित मामलों के समाधान में तेजी लाना और लागत-कुशल तथा समय-बचतकारी विवाद समाधान तंत्र के रूप में इसकी प्रभावशीलता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना है। यह अभियान तालुका से लेकर उच्च न्यायालयों तक सभी न्यायालय स्तरों पर लागू किया जा रहा है और वैवाहिक, दुर्घटना, दीवानी, आपराधिक और उपभोक्ता विवादों जैसी पात्र श्रेणियों को कवर करता है, और भागीदारी के ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड तरीके प्रदान करता है। यह अभियान विवादों को सुलझाने, अदालतों पर बोझ कम करने और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में मध्यस्थता, संवाद और सहयोग की शक्ति को प्रदर्शित करता है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने झाबुआ में पशुपालकों से की सीधी बात

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मध्यप्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दुगुना करने के विजन को धरातल पर उतारने के लिये 'दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान' के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के ग्राम कमलखेड़ा में पशुपालकों से घर जाकर सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने उन्नत पशुपालन, पोषण और पशु स्वास्थ्य को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

मंत्री सुश्री भूरिया ने पशुपालक श्री चावड़ा से उनके घर पहुँचकर संवाद किया। इस दौरान मंत्री सुश्री भूरिया ने उन्हें उन्नत नस्ल के पशुपालन, हरा चारा, और संतुलित पशु आहार के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और उच्च उत्पादकता वाले पशु ही दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सपना है कि प्रदेश को दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जाए और इसी दिशा में यह अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि 2 अक्टूबर से 9 अक्टूबर तक चल रहे इस राज्यस्तरीय अभियान के अंतर्गत उन पशुपालकों से सीधी भेंट की जा रही है जिनके पास 10 या अधिक मादा पशु हैं। उन्होंने कहा कि दुग्ध समृद्धि केवल पशुपालन नहीं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में एक ठोस पहल है।

नोडल अधिकारी डॉ. मगनानी ने पशुपालकों को कृत्रिम गर्भाधान, पशु पोषण और उपचार के विषय में तकनीकी जानकारी दी। उप संचालक पशुपालन डॉ. ए.एस. दिवाकर ने सेक्स सॉर्टेड सीमन तकनीक की जानकारी दी, जिससे 90त्न तक बछिया प्राप्त होने की संभावना होती है। उन्होंने पशुपालकों को संतुलित पशु आहार अपनाने और सांची दुग्ध संघ को दूध प्रदाय करने के लिए प्रेरित किया। ग्राम कमलखेड़ा के अन्य पशुपालक भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे और उन्होंने अभियान से जुड़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

10 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव करेंगे विक्रम विश्वविद्यालय से सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन नामकरण प्रक्रिया की नामपट्टिका का अनावरण

विश्वविद्यालय के 69वे आधारशिला दिवस पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति और होगा पुस्तकों का विमोचन

उज्जैन । विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन नामकरण प्रक्रिया की नामपट्टिका का अनावरण 10 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा विश्वविद्यालय के 69वे आधारशिला दिवस पर किया जा रहा है।इस आयोजन में विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के कुलगुरु प्रो अर्पण भारद्वाज ने कहा है कि, विश्वविद्यालय के लिए आधारशिला दिवस पर ही यह दूसरा ऐतिहासिक दिन बन जाएगा जब इस उज्जैन नगरी की माटी और मालवांचल के गौरव, इसी विश्वविद्यालय से शिक्षा ग्रहण करके अपनी राजनीतिक विरासत को यहीं से शुरू करके राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित कर

मुख्यमंत्री के रूप में माननीय डॉ मोहन यादव अपनी मातृ संस्था के प्रति समर्पित भाव से जब इस विश्वविद्यालय की नवीन नामकरण पट्टिका का अनावरण करेंगे। इससे पहले विश्वविद्यालय का सन् 1956 में वह पहला ऐतिहासिक दिन था जब कार्तिक कृष्ण चतुर्थी को विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी गई।सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन के विद्यार्थी कल्याण संकायाध्यक्ष प्रो सत्येन्द्र किशोर मिश्रा ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि, विश्वविद्यालय में 2025 का आधारशिला दिवस का आयोजन 10 अक्टूबर को भव्य समारोह के साथ मनाया जाएगा। पूरे आयोजन में माननीय मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव उपस्थित रहेंगे।

प्रो मिश्रा ने बताया कि,कार्तिक कृष्ण चतुर्थी दिनांक 10 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को आधारशिला दिवस के आयोजन विश्वविद्यालय परिसर और स्वर्ण जयंती सभागार में प्रारंभ होकर सम्पन्न होंगे।

आपने बताया कि,सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में दिनांक 10.10.2025 को प्रातः 11.00 बजे से 69 वी आधारशिला दिवस का आयोजन मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न होने जा रहा है।

कार्यक्रम स्थल स्वर्ण जयंती सभागार, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन में आयोजित होगा। सर्वप्रथम माननीय अतिथियों द्वारा सम्राट विक्रमादित्य के मूर्ति शिल्प का विधिपूर्वक अभिषेक तथा पूजन और एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर के पश्चात माननीय अतिथियों द्वारा का स्वर्ण जयंती सभागार में सरस्वती पूजन तथा मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी।

खंडेलवाल मित्र परिषद, लेडीज विंग ने दशहरा मिलन के साथ मनाया शरदोत्सव

उज्जैन। गरबा माँ जगदम्बे की आराधना का पर्व होने के साथ ही भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं की झलक हैं।

उक्त उद्गार खंडेलवाल मित्र परिषद एवं खंडेलवाल लेडीज विंग्स परिवार द्वारा आयोजित दशहरा मिलन एवं शरदोत्सव कार्यक्रम में खंडेलवाल मित्र परिषद के अध्यक्ष धर्मेंद्र गुप्ता ने व्यक्त करते हुए कहा कि बुराई पर अच्छाई का यह पर्व हमे जीवन मे सद्कार्य करने की एवं निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर सिधेश्वर दास, गोपाल पाटोदिया और अजय तंबोलिया ने कहा कि समाज की महिलाओं एवं युवतियों द्वारा संगीत की थाप पर किए गरबे में टीम वर्क और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित और प्रोत्साहित करना था, विशेष रूप से दशहरा मिलान के इस आयोजन के द्वारा आप सभी को एक साथ लाने का काम किया, जिससे सांस्कृतिक जागरूकता और प्रशंसा को बढ़ावा मिला। अनिल गुप्ता एवं राजेश गोलिया के अनुसार रंग-बिरंगे परिधानों में समाज की महिलाओं द्वारा लयबद्ध थाप और डांडिया की ताल ने पूरे प्रांगण को गरिमामय बना दिया। इस दौरान निःशुल्क लक्की ड्रा का आयोजन भी रखा गया जिसमें पांच भाग्यशाली विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सर्वश्री कमेशचंद्र नाटाणी, श्याम एस झालानी, अशोक माचीवाल, दिनेश चंद्र बढ़ाया, आनंद बडेरा, दिलीप बडेरा, गोपाल पाटोदिया, आशीष मेठी, मुकेश बुसर, अनिल गुप्ता (मुकुट आइल मिल), सुशीला भूकमारिया, डिम्पल रावत आदि को उनके द्वारा किए गए सेवा कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

गुरुनानक घाट पर सिख धर्म के चौथे गुरु श्री गुरु रामदासजी का प्रकाश पर्व मनाया

उज्जैन। सिख धर्म के चौथे गुरु श्री गुरु रामदासजी का प्रकाश पर्व आज गुरुनानक घाट मनाया गया। इस समागम में सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और गुरु रामदास जी की शिक्षाओं को याद किया। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री गुरुनानक घाट पर विशेष रूप से फूलों से सजावट की गई और विशेष गुरमत समागम सुबह 9 से दोपहर 1:00 तक आयोजित किया गया। गुरुद्वारा अध्यक्ष चरणजीत सिंह कॉलरा एवं महेंद्र सिंह विग ने जानकारी देते हुए बताया कि सिख धर्म के चौथे गुरु, गुरु रामदास जी ने अमृतसर शहर की नींव रखी।

बी के यू ने बागला के दिवंगत किसान को श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को दी सांत्वना

उज्जैन। महिदपुर तहसील मुख्यालय से मात्र आठ से नो किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक छोटे सा गाँव बागला जो जनपद पंचायत महिदपुर की धाराखेड़ा ग्राम पंचायत में आता है उसी ग्राम के एक रामसिंह भांबी नामक गरीब किसान ने वर्तमान में सोयाबीन फसल पीले मौजक रोग और अतिवृष्टि से नष्ट हो जाने और सिर पर बैंक और निजी रूपमें लिए गए कर्ज की अदायगी की चिंता के चलते विगत दिनों अपने ही घर में आत्महत्या कर जीवन लीला समाप्त करली उपरोक्त दुःखद खबर मीडिया के माध्यम से जब भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) जिला इकाई उज्जैन को प्राप्त हुई तो यूनियन के जिला अध्यक्ष भगवानसिंह राजपूत अपने तहसील पदाधिकारियों के साथ मंगलवार को ग्राम बागला पहुँचे और दिवंगत आत्मा के चित्र पर यूनियन के सभी साथियों के साथ पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई,वहीं पर ग्रामजन-उपस्थित समाजजन और परिवारजन के अलावा किसान पुत्र सुनील भाई के साथ संवाद स्थापित करते हुए, उत्पन्न विषम परिस्थितियों पर चर्चा करते हुए परिवार को सांत्वना प्रदान कर किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल जी यादव की और से प्रदान की गई शोक संवेदनाओं से परिवार को अवगत करवाया तथा हमारा किसान संगठन इस दुःख की घड़ी में हमेशा आपके परिवार के साथ खड़ा है,ऐसी प्रतिबद्धता से जिला अध्यक्ष राजपूत ने परिवार को ढ़ाढस बँधाया,इस अवसर पर महिदपुर तहसील अध्यक्ष ईश्वर जाट आदि।

पुरोहित बने जन परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष

उज्जैन। अखिल भारतीय स्तर की गैर राजनीतिक एवं सामाजिक संस्था जन परिषद के संयोजक रामजी श्रीवास्तव एवं सह समन्वयक के. पी .अग्निहोत्री की अनुशंसा पर जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी एन के त्रिपाठी ने , समाजसेवी एवं पत्रकार जितेन्द्र पुरोहित को जन परिषद का प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है द्य संस्था के महासचिव अजय श्रीवास्तव नीलू के अनुसार जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है, जो कि गत 36 वर्षों से सामाजिक एवम् रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवम् अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है।संस्था पर्यावरण पर बारह अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है। संस्था के इस समय पूरे देश में 275 से अधिक एवम् विदेशो में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवम् सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं।

डॉ .नीलांजना श्री जी के प्रेरणा से चादर महोत्सव के निमित्त सोलह दिवसीय अखंड दादा गुरु इकतीसा पाठ का समापन

उज्जैन - परम पूज्य खरतर गच्छाधिपति आचार्य श्री जिन मणिप्रभ सुरि जी महाराज साहब की निश्रा में जैसलमेर में होने वाले चादर महोत्सव के निमित्त शांतिनाथजी उपाश्रय में प. पू. साध्वी श्री डॉ .नीलांजना श्री जी महाराज साहब की प्रेरणा से चल रहे सोलह दिवसीय अखंड दादा गुरु इकतीसा पाठ का समापन पर शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर लकी ड्रा से तेरह बंपर पुरस्कार का वितरण भी हुआ एवं सोलह दिवसीय अखंड दादा गुरु इकतीसा पाठ करने पर सभी को सांत्वना पुरस्कार भी दिया गया जयपुर से पधारी डॉ .सीमा दफ्तरी के द्वारा दादा गुरुदेव की बड़ी पूजा हर्ष एवं उल्लास पूर्ण वातावरण में समाज जनों की उपस्थिति में शांतिनाथ जी उपाश्रय में पढ़ाई गई एवं रात्रि को गुरु भक्ति संध्या भी झूमते नाचते गाते मनाई गई जिसमें सभी समाज जनों ने आनंदपूर्वक अपनी सहभागिता की । दादा गुरुदेव की बड़ी पूजन का लाभ चंद्र प्रकाश जी सकलेचा परिवार ने एवं दादा गुरुदेव की प्रतिमा को अपने घर पधारने का लाभ श्रीमती उषा देवी दिलीप जी चोपड़ा परिवार ने लिया

गुरुपूर्णिमा से अशोक बुद्ध विहार में प्रारंभ हुए वर्षावास का शरदपूर्णिमा पर समापन

उज्जैन। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरुपूर्णिमा से शरदपूर्णिमा तक 3 माह तक अशोक बुद्ध विहार उज्जैन में वर्षावास का आयोजन किया गया। जिसमें पूना से पधारे डॉ भदंत शिलानंद महाथेरो भन्ते द्वारा बौद्ध संस्कृति, परम्परा ओर धम्म देशना दी गई, ध्यानयोग भी करवाया गया। साथ ही ग्रंथ पठन भी निरंतर किया गया। जिसका लाभ समाज के कई लोगो ने लिया।

वर्षावास का समापन 7 अक्टूबर को हुआ जिसमें शाम 6 बजे भन्तेजी द्वारा वंदना, परित्राण पाठ व धम्म देशना की गई। तत्पश्चात भन्तेजी को चीवर दान किया गया। प्रबुद्ध महिला मंडल की अध्यक्ष माला लोखंडे द्वारा उन सभी महिलाओं का पंचशील दुपट्टे से स्वागत किया गया जिनकी इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। तत्पश्चात समाजजनों के लिए भोजनदान रखा गया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com